मन्नू भंडारी के उपन्यासों में नारी- जीवन

शिवाजी विश्वविद्यालय की एम. फिल. उपाधि के लिए प्रस्तुत
शोध - प्रबंध

शोध - मार्गदर्शक

डॉ. सरजू प्रसाद मिश्र,
एम. ए. पीएच.डी.
हिंदी विभाग, राजाराम कॉलेज,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापूर (महाराष्ट्र)

शोध - छात्रा

प्रा. सौ. एम. एस. जाधव ,
लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय,
सा ता रा. (महाराष्ट्र)

:: **प्र मा ण प त्र** ::

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि, श्रीमती एम. एस. जाधव ने मेरे मार्गदर्शन में एम. फिल उपाधि हेतु यह शोध प्रबंध लिखा है. मेरी जानकारी के अनुसार प्रबंध में प्रस्तुत तथ्य पूर्ण पूर्णत: सही हैं . प्रबंध को आधोपांत पढकर ही मैं यह प्रमाणपत्र दे रहा हूँ. यह शोध - प्रबंध इसके पूर्व कभी भी किसी अन्य विश्व विद्यालय की किसी भी उपाधि हेतु प्रस्तुत नही किया गया है.

सरजू प्रसाद मिश्र

(सरजू प्रसाद मिश्र)

कोल्हापूर

दिनांक : 30-1-08

प्रा क्क थ न

प्रा क्क थ न

मन्नू भंडारी सफल कहानीकार के साथ सफल उपन्यास लेखिका भी हैं. कहानीकार के रूप में तो वह हिंदी की महिला - लेखिकाओं में गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त कर चुकी हैं. उपन्यास लेखिका के रूप में भी वह पाठकों के लिए सर्वथा अपरिचित नहीं है. हिंदी के कुछ ग्रंथो और पत्रिकाओं में उनके उपन्यासों का समय-समय पर मूल्यांकन किया गया है. परंतु मन्नूजी के सभी उपन्यासों का परिचय करा देनेवाला अभीतक कोई ग्रंथ प्रकाशित नहीं हुआ. साथ ही मन्नूजी के पाँच उपन्यासों में उभरकर आया है. उसी पर भी किसीने स्वतंत्र रूप से नहीं लिखा. इसीकारण मैंने इस विषय का चुनाव किया. यह मेरा पहला ही प्रयत्न है.

प्रथम अध्याय थोडा विस्तार से लिखा है. क्यों-कि मन्नूजी के सभी उपन्यासों का परिचय करा देना मेरा मन्तव्य था. अतः इस अध्याय में लेखिका के सभी उपन्यासों की संक्षेप में विषय-वस्तु, पात्र-परिचय, समस्याएँ, न्यूनताएँ आदि को उजागर किया है.

द्वितीय अध्याय में वैदिक काल, मध्यकाल और स्वातंत्र्योत्तर काल की नारी की स्थिति और गति का अंकन किया है, वैदिक-काल में नारी की गौरवमयी स्थिति पर प्रकाश डाला हैं. मध्यकाल में नारी-पतन के कारण, प्रथाएँ आदि का उल्लेख है साथ ही मध्यकाल के अंत में नारी-सुधार में विविध संस्थाओं, महापुरुषों, कानून आदि का योगदान इसका विवेचन भी किया है. अंत में स्वतंत्रता के पश्चात विविध क्षेत्रों में नारी का

प्रवेश और उसका उभरता व्यक्तित्व आदि पर प्रकाश डाला है.

तृतीय अध्याय में स्वतंत्रता के पश्चात् नारी और उसके जीवन के विविध प्रश्नों का विवेचन है. घर और घर से बाहर नारी की स्थिति का अंकन है. इसी अध्याय में नारी - जीवन के विविध प्रश्न और उनको सुलझाने के कुछ उपाय भी बतलाये हैं.

चतुर्थ अध्याय जो इस प्रबंध का मेरुदंड है. द्वितीय और तृतीय अध्याय इस अध्याय की ही पृष्टभमि है. इस अध्याय में मन्नूजी के उपन्यासों के महत्वपूर्ण नारी-पात्र, उनके जीवन की उलझनें, उनकी व्यक्तिगत समस्याएँ, मानसिक यातनाएँ, अकेलेपन की घुटन आदि का विश्लेषण किया है. इन नारी-पात्रों के विविध समस्याओं का, उसकी स्थिति और गति का यथार्थवादी धरातल पर अंकन किया है.

उपसंहार में संपूर्ण कृति का संक्षेप में सार है. साथ ही मन्नूजी का आधुनिक नारी के प्रति कौनसा दृष्टिकोण है, यह व्यंजित किया है.

मेरा यह अत्यन्त सौभाग्य रहा कि पूज्य डा.सरजू प्रसाद मिश्र, प्रोफेसर, हिंदी विभाग, राजाराम महाविद्यालय, कोल्हापूर के श्री. चरणों में बैठकर शोध-कार्य कर सकी. उनके पथ-प्रदर्शन से ही यह शोध-कार्य पूर्ण हो सका. उन्होने समय-समय पर जो मार्गदर्शन

किया उससे मुझ में लिखनेका साहस और उत्साह निर्माण हो सका. अत: मैं जीवन-भरउनकी कृतज्ञ रहूँगी. अनेक कृतिकारों की कृतियों का अध्ययन भी मुझे लाभप्रद हुआ. अत: उन सभी साहित्यिक प्रतिभाओं के प्रति आभार व्यक्त करना मेरा दायित्व समझती हूँ.

मेरे पति प्रो. एस्.एम्. जाधव, इतिहास विभाग प्रमुख, लाल बहादूर शास्त्री महाविदयालय सातारा, के समुचित सहयोगसे भी लेखन कार्य को गति मिलती रही.

सौ. एम्. एस् जाधव
2/5/84

:-:-:-:

अ नु क्र म णि का

पृष्ठ क्रमांक

प्रथम अध्याय :-

मन्नू भंडारी - जीवन परिचय

मन्नू भंडारी के उपन्यासों की विषय-वस्तु का विश्लेषण:-

(१) एक इंच मुस्कान - सहयोगी उपन्यास

(२) आपका बंटी

(३) कलवा

(४) महाभोज

(५) स्वामी

द्वितीय अध्याय :-

भारतीय समाज में नारी :

(अ) वैदिक काल में नारी की स्थिती

(ब) मध्यकाल में नारी की स्थिती

(क) स्वातंत्र्योत्तर काल की भारतीय नारी

तृतीय अध्याय :-

भारतीय नारी-जीवन के विविध प्रश्न :

(अ) परिवार एवं घरेलू वातावरण में नारी और उसकी समस्याएँ.

(ब) घर से बाहर नारी और उसकी समस्याएँ.

(क) विवाह एवं तलाक संबंधी समस्याएँ

चतुर्थ अध्याय :-

मन्नू भंडारी के उपन्यासों में नारी -जीवन : . . .

(अ) एक इंच मुस्कान में - नारी-जीवन

(ब) आपका बेटी में नारी-जीवन

(क) स्वामी में नारी-जीवन

पंचम अध्याय :-

उपसंहार

सहायक ग्रंथ- सूची

:-:-:-: